

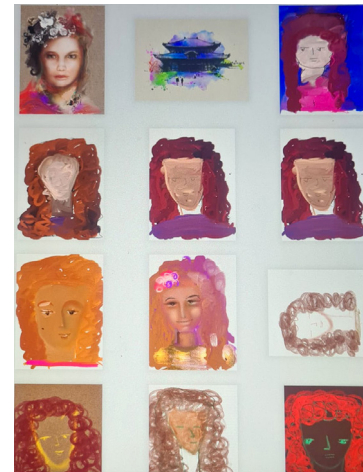
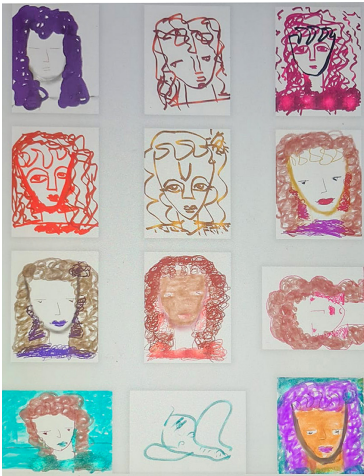
मौसम की मुस्कान को।
धरती बांटी, सागर बांटा
मत बांटों इंसान को।

मेरा सपना (नाजनी)

मेरा नाम नाजनी है। मैं सराय काले खान में रहती हूँ। मैं आपको अपने सपने के बारे में बताना चाहती हूँ।

मेरी उम्र 16 साल की है और मैं कभी स्कूल नहीं गई। मैं घर में ही पीस बनाने का काम करती हूँ और घरों में काम करने भी जाती हूँ। मुझे लगा मेरा जीवन ऐसे ही बीत जाएगा लेकिन जब से मेने BUDS सेंटर में आना शुरू किया है तब से मेरा जीवन और मेरी सोच बिलकुल बदल गई है। क्योंकि मुझे यह नहीं पता था की मैं बिना स्कूल गए भी पढ़ सकती हूँ।

बचपन से मेरा यह सपना था की मैं पुलिस बनूँ। लेकिन मैं यह उम्मीद छोड़ चुकी थी। लेकिन जब से पेस सेंटर से जुड़ी हूँ तब से मुझे यह यकीन हो गया है की मैं जल्द ही अपना सपना पूरा करूँगी। क्योंकि मेरे माता पिता ने भी मुझे यंहा इसीलिए भेजा है कि मैं अपना अधूरा सपना पूरा कर सकती हूँ।



Courtesy: Ashwarya